| s' Departm |  |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | whence cometh her strungth, and to "Thy will be done, O Lord." May Moreton. |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | Bedeque, P. E. I Circ |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | Anniversary of the Halifax Wes leyan Missionary Societs. <br>  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
| Angel-Ties. |  <br>  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | We have no inclination to speculate concern-ing either the causes or probable is-des ofthe martial tempest, the portents of w'ich al- |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  | b |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | while those of the latter are messured only by the high periods of immortality -and if, more- over, authentic history, placed in the light of |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  | Se or aserviy |
|  | the philosophy of Providence, to which the cu- mulative evidence of history has given an au- |  |  |  |  |  |
|  | thority scarcely less worthy of reg srd than that |  |  |  |  |  |
|  | of a Divine oracle-that all vars of aggression receive, soon or later, their condig? and conspi- |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | The heaviest calamities of earth are |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  | Mr Holmer prom |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | shall have dominion also from sea to sea, and <br> from the river unto the ends of the earth. |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
| ata |  |  |  |  |  |  |
|  | giole |  |  |  |  | Ge Acrib |
|  | progress of science has supplied, we, in thesepeaceful and happy Provinces, are permitted toprosecute unmolested our enterprises of Chris- |  |  |  |  |  |
| Smer |  |  |  |  |  |  |
|  | 隹 |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  | Hen lik prow |
|  |  |  |  |  |  | an appin |
|  | caltoliciy, by the Rev. Professor King A. M. of <br> Rev. Mr. Geikie, Con |  |  |  |  |  |
|  | gregational Minister of this city. The pulpit of Grafton Street Church was occupied in the |  |  |  |  | may msumiout with |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | more prominent expositions and appeals withwhich the estimable and accomplished Professor |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | dified the minds, and impressed the bearts of |  |  |  |  | martet bua |
|  | Without pretending to reproduce even the and attentive auditory. |  |  |  |  | Sor |
|  |  |  |  |  |  | bit |
|  |  |  |  |  |  | eeveino or rait |
|  |  | cmin |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | ader will, wirhout difficulty, gather from the and |  |  |  |  |  |
|  |  |  | Ho then iliserated doe wiject ty treic |  |  |  |
|  | Sem |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
| $\ldots$ Cond Lrxs. | are is something extremely morti'ging to theimportance attaches to man view med merely as |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
| de com |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  | bad been 1 tr |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  | The fouse reowe |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |

